प्रारंभिक परीक्षा

अवध और इसके स्थापत्य स्थल

संदर्भ

हाल ही में आई एक **सीएजी (CAG) रिपोर्ट** ने उत्तर प्रदेश के कई स्मारकों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जो व्यापक **अतिक्रमण** का सामना कर रहे हैं। विरासत संरक्षणवादियों को डर है कि तत्काल हस्तक्षेप के बिना, अवध की **संश्लिष्ट और मिश्रित (syncretic) विरासत** खो जाएगी।

अवध के स्थापत्य स्थल

अवध की वास्तुकला, जो मुख्य रूप से लखनऊ में केंद्रित है, मुगल, फारसी और यूरोपीय शैलियों का एक अनूठा मिश्रण है, जो बलुआ पत्थर या संगमरमर के बजाय ईंट और चूने के प्लास्टर (स्टुको) के उपयोग के लिए जानी जाती है।

- **बड़ा इमामबाड़ा (आसफी इमामबाड़ा):** 1784 में आसफ-उद-दौला द्वारा एक अकाल राहत परियोजना के रूप में निर्मित, इसका केंद्रीय हॉल बीम या स्तंभों के किसी भी बाहरी सहारे के बिना दुनिया के सबसे बड़े मेहराबदार निर्माणों में से एक है।
- **भूलभुलैया (The Labyrinth):** बड़ा इमामबाड़ा के ऊपर स्थित, लगभग 1,000 समान गलियारों का यह जटिल नेटवर्क मुख्य हॉल की छत के भारी वजन को सहारा देने के साथ-साथ एक रक्षात्मक सुविधाजनक स्थिति प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- **रूमी दरवाजा:** इसे अक्सर 'तुर्की गेट' कहा जाता है, यह 60 फीट ऊंची संरचना इस्तांबुल में 'बाब-इ-हुमायूं' की तर्ज पर बनाई गई थी; यह लखनऊ के पुराने शहर के भव्य प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है और विशिष्ट अवधी पुष्प रूपांकनों को प्रदर्शित करता है।
- **छत्तर मंज़िल (अम्ब्रेला पैलेस):** अपने "छतरी" (छाते के आकार के) सुनहरे गुंबदों के लिए नामित, यह महल नवाबों और उनकी पत्नियों के निवास के रूप में कार्य करता था, जिसमें इंडो-यूरोपीय वास्तुकला और ठंडक के लिए भूमिगत कमरों (तहखानों) का मिश्रण है।
- **द रेजिडेंसी:** इमारतों का एक परिसर जो ब्रिटिश राजनीतिक प्रतिनिधि के निवास के रूप में कार्य करता था; यह ऐतिहासिक रूप से 1857 के विद्रोह के दौरान लखनऊ की लंबी घेराबंदी के स्थल के रूप में महत्वपूर्ण है, इसके खंडहरों को एक स्मारक के रूप में संरक्षित किया गया है।

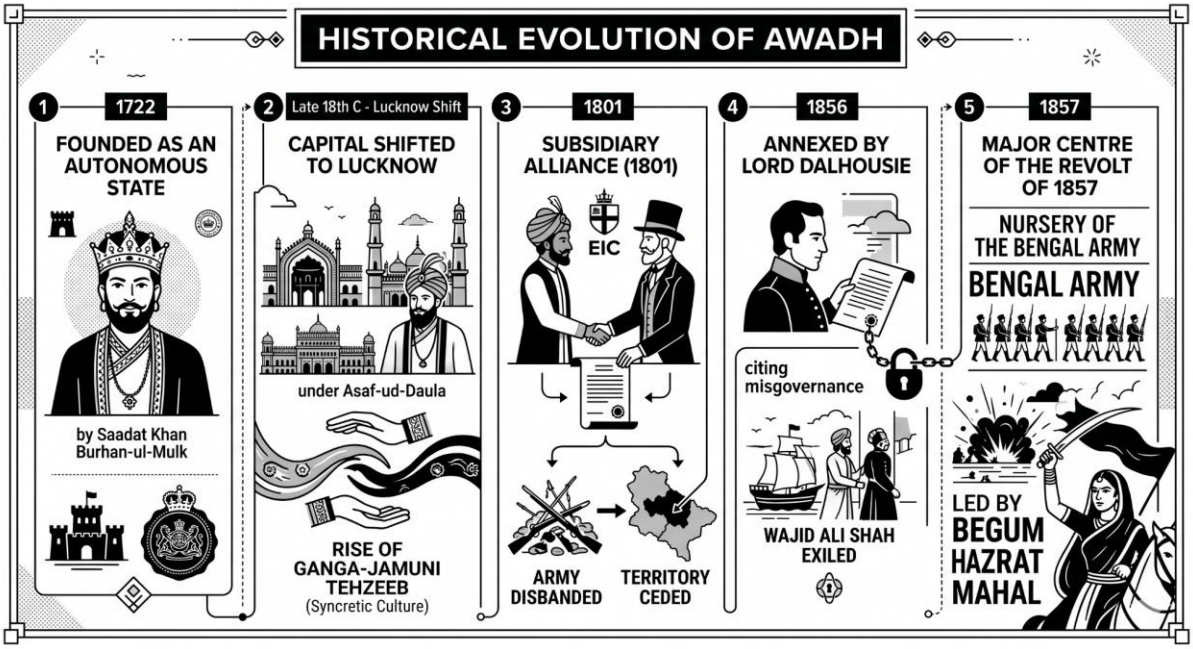

ECINET पहल

संदर्भ

भारत निर्वाचन आयोग ने **ECINET** पहल की शुरुआत की है।

ECINET की मुख्य विशेषताएं

- **ECINET एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे भारत निर्वाचन आयोग (ECI) द्वारा 40 से अधिक मौजूदा वेब और मोबाइल एप्लिकेशन को एक निर्बाध और उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रणाली में समेकित करने के लिए विकसित किया जा रहा है।**
- **सिंगल साइन-ऑन सुविधा** जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता एक ही लॉगिन क्रेडेंशियल के साथ कई सेवाओं तक पहुंच सकेंगे, जिससे जटिलता और भ्रम कम होगा।
- डेस्कटॉप, लैपटॉप और स्मार्टफोन पर सुचारू रूप से कार्य करने के लिए **मल्टी-डिवाइस एक्सेसिबिलिटी**।
- उपयोग में आसानी और नेविगेशन को बढ़ाने के उद्देश्य से **यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस**।
- विश्वसनीयता, सुरक्षा और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए **मजबूत सुरक्षा ढांचा**।
    - केवल अधिकृत चुनाव अधिकारियों को डेटा अपलोड या संशोधित करने की अनुमति होगी, जबकि विसंगतियों के मामले में सांविधिक प्रपत्र ही अंतिम प्राधिकरण रहेंगे।
- लगभग 100 करोड़ मतदाताओं के साथ-साथ पूरे भारत में व्यापक चुनावी प्रशासन का समर्थन करने के लिए **व्यापक राष्ट्रीय कवरेज**।
- हितधारकों को प्रमाणित चुनाव संबंधी डेटा तक समय पर पहुंच प्रदान करने के लिए **सूचना की रीयल-टाइम उपलब्धता**।

सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान

संदर्भ

पंचायती राज मंत्रालय ने मार्च 2025 में नई दिल्ली में पंचायती राज संस्थाओं की महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों (WERs) की एक राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान **"सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान"** शुरू किया।

पहल की मुख्य विशेषताएं

- महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों (PRIs) के लिए **क्षमता निर्माण कार्यक्रम**।
- नेतृत्व, शासन और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है।
- जमीनी स्तर के शासन और स्थानीय योजना में सक्रिय भूमिका को बढ़ावा देता है।
- **"प्रॉक्सी सरपंच"** (सरपंच-पति) प्रथा का समाधान करता है।
- महिला नेताओं के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करता है।
- महिला अधिकारों और कानूनी सुरक्षा उपायों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए **"लिंग आधारित हिंसा और हानिकारक प्रथाओं को संबोधित करने वाले कानून पर एक प्राइमर"** पेश किया गया।

नकली भारतीय करेंसी नोट(FICN)

संदर्भ

2016 के विमुद्रीकरण के लगभग एक दशक बाद, नवीनतम 'क्राइम इन इंडिया' रिपोर्ट 2024 से पता चलता है कि नकली मुद्रा(Fake currency) एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, इस साल ₹54.61 करोड़ से अधिक के नकली नोट जब्त किए गए हैं।

नकली मुद्रा पर मुख्य डेटा

- **व्यापक कुल जब्ती:** 2017 से अब तक कुल ₹638 करोड़ मूल्य की नकली मुद्रा जब्त की गई है, जिसमें 2022 में ₹382.6 करोड़ की सर्वाधिक जब्ती देखी गई।
- **मूल्यवर्ग (Denomination) रुझान:** 2024 में नए ₹500 के नोटों की जब्ती 2016 की तुलना में चार गुना अधिक थी, जो यह दर्शाता है कि जालसाजों ने नई श्रृंखला की सफलतापूर्वक नकल कर ली है।
- **भौगोलिक संकेंद्रण:** गुजरात प्राथमिक हॉटस्पॉट है, जहाँ ₹355.72 करोड़ की जब्ती हुई—जो 2017 और 2024 के बीच देश की कुल जब्ती का 50% से अधिक है।
- **संचलन में मुद्रा (CiC):** डिजिटल प्रोत्साहन के बावजूद, CiC मई 2026 तक 137% बढ़कर ₹42.12 लाख करोड़ हो गई है, जबकि नवंबर 2016 में यह ₹17.74 लाख करोड़ थी।

नकली भारतीय करेंसी नोटों के लिए कानूनी और नियामक ढांचा

- **भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023:** भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 ने न केवल जालसाजी के कृत्य को बल्कि कब्जे, वितरण और सुविधा को भी अपराधी मानकर FICN से निपटने के लिए कड़े प्रावधान पेश किए।

- **विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (UAPA), 1967:** UAPA, 1967 के तहत, अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने या भारत की सुरक्षा को खतरे में डालने के इरादे से उच्च गुणवत्ता वाली नकली भारतीय कागजी मुद्रा, सिक्के या किसी अन्य सामग्री का उत्पादन, तस्करी या संचलन "आतंकवादी कृत्य" के रूप में वर्गीकृत है।
- **आरबीआई अधिनियम, 1934:** बैंकनोट सुरक्षा विशेषताओं या डिजाइनों में परिवर्तन जालसाजी को कम करने के उपायों के रूप में आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत पेश किए जाते हैं।
- **बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949:** नकली नोटों पर आरबीआई का मास्टर निर्देश बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35A और धारा 56 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया गया है।

संस्थागत और प्रवर्तन तंत्र

- **FICN समन्वय समूह (FCORD): गृह मंत्रालय द्वारा FICN समन्वय समूह (FCORD) का गठन किया गया है।**
- **आतंकवादी वित्तपोषण और नकली मुद्रा (TFFC) सेल — NIA**

आरबीआई की भूमिका

- FICN नियंत्रण के प्रति आरबीआई का दृष्टिकोण एक साथ तीन मोर्चों पर काम करता है:
- सार्वजनिक जागरूकता (अपने बैंकनोटों को जानें, पैसा बोलता है, फील-सी-टिल्ट, जागरूकता शिविर)।
- संस्थागत बुनियादी ढांचा (FNV सेल, नोडल अधिकारी, मशीन-आधारित पहचान अधिदेश), और
- अनुसंधान और डिजाइन (मुद्रा अनुसंधान एवं विकास केंद्र, समय-समय पर सुरक्षा विशेषता उन्नयन)।

किण्वित जैविक खाद (FERMENTED ORGANIC MANURE-FOM)

संदर्भ

भारत ने मृदा स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और खर्चों में कटौती करने के लिए 2030 तक पारंपरिक उर्वरकों में 10% तक कच्चे कार्बनिक पदार्थ (FOM) के अनिवार्य मिश्रण का प्रस्ताव रखा है, जिसकी शुरुआत 2026-27 में 1% से होगी।

किण्वित जैविक खाद क्या है

- **किण्वित जैविक खाद (FOM) एक पोषक तत्व-समृद्ध, रोगजनक-मुक्त मृदा सुधारक है जो सूक्ष्मजीव किण्वन का उपयोग करके पशु के गोबर, फसल अवशेषों और रसोई के कचरे जैसे कार्बनिक पदार्थों को तोड़कर उत्पादित किया जाता है।**
- यह एक स्थिर, धीरे-धीरे मुक्त होने वाला (slow-release) उर्वरक है जो कच्चे खाद की तुलना में मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाता है, सूक्ष्मजीव गतिविधि को बढ़ाता है, और पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार करता है।

कार्यान्वयन रणनीतियाँ

भारतीय बायोगैस संघ सिफारिश करता है:

- 2026-27 में 1% मिश्रण के साथ शुरुआत करना, जिसे 2029-30 तक 10% तक बढ़ाया जाए।
- FOM का अनुप्रयोग स्थानीय मृदा कार्बन स्तर और विशिष्ट फसल आवश्यकताओं पर आधारित होना चाहिए।

- पहल का लक्ष्य 10% अनिवार्य सम्मिश्रण को सरकारी योजनाओं में एकीकृत करना है।

सम्मिश्रण के लाभ

- **लागत बचत:** एक अध्ययन के अनुसार, रासायनिक उर्वरकों के साथ किण्वित जैविक खाद (FOM) मिलाने से उर्वरक आयात लागत में सालाना 2 बिलियन डॉलर तक की कमी आ सकती हैं।
- **बेहतर मृदा स्वास्थ्य:** दोनों का संयोजन मृदा की संरचना, जल धारण क्षमता और कार्बन स्तर (जो वर्तमान में भारत में लगभग 0.4% के साथ कम है) में सुधार करता है।
- **बढ़ी हुई उपज:** अध्ययन बताते हैं कि कम उर्वरता वाली मिट्टी में फसल की पैदावार में सुधार के लिए रासायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खाद का संयोजन प्रभावी है।

हिंद महासागर तटीय क्षेत्रीय सहयोग संघ(IORA)

संदर्भ

IORA तब चर्चा में आया जब भारत हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती समुद्री सुरक्षा चिंताओं के बीच इस समूह की अध्यक्षता करने की तैयारी कर रहा है।

IORA के बारे में

- हिंद महासागर के देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 1997 में स्थापित।
- इसके **23 सदस्य देश** हैं: ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कोमोरोस, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, केन्या, मेडागास्कर, मलेशिया, मालदीव, मॉरीशस, मोजाम्बिक, ओमान, सेशेल्स, सिंगापुर, सोमालिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंजानिया, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यमन।
- इसके **12 संवाद भागीदार** हैं (जिनमें अमेरिका, चीन और यूरोपीय संघ शामिल हैं)।
- **IORA सचिवालय:** मॉरीशस में है और इसका नेतृत्व एक निश्चित कार्यकाल वाले महासचिव द्वारा किया जाता है।
- **वर्तमान अध्यक्ष:** भारत 2025-2027 कार्यकाल के लिए अध्यक्ष है।
- **फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:**
    - समुद्री सुरक्षा और संरक्षा
    - व्यापार और निवेश सुविधा
    - आपदा जोखिम प्रबंधन
    - मत्स्य प्रबंधन
    - अकादमिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान
    - ब्लू इकोनॉमी (नीली अर्थव्यवस्था) विकास
    - **नोट:** IORA चार्टर द्विपक्षीय विवादों और विवादास्पद राजनीतिक मुद्दों को औपचारिक विचार-विमर्श से बाहर रखता है।

- **भारत और IORA:** भारत IORA को अपने महासागर (MAHASAGAR) विजन, इंडो-पैसिफिक रणनीति और समुद्री सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण मानता है। **पाकिस्तान IORA का सदस्य नहीं है।**
- **आगामी कार्यक्रम:** भारत 2027 के IORA शिखर सम्मेलन तक कई IORA बैठकों की मेजबानी करेगा, जो संगठन की 30वीं वर्षगांठ का प्रतीक होगा।

विदेश मंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा

संदर्भ

विदेश मंत्री ने कैरिबियाई देशों तक भारत की पहुंच के हिस्से के रूप में त्रिनिदाद और टोबैगो का दौरा किया।

यात्रा के दौरान लिए गए प्रमुख निर्णय

- पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा (सौरकरण), स्वास्थ्य सेवा, वेक्टर नियंत्रण, बुनियादी ढांचे और आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों में **8 समझौता ज्ञापनों (MoUs)** पर हस्ताक्षर किए गए।

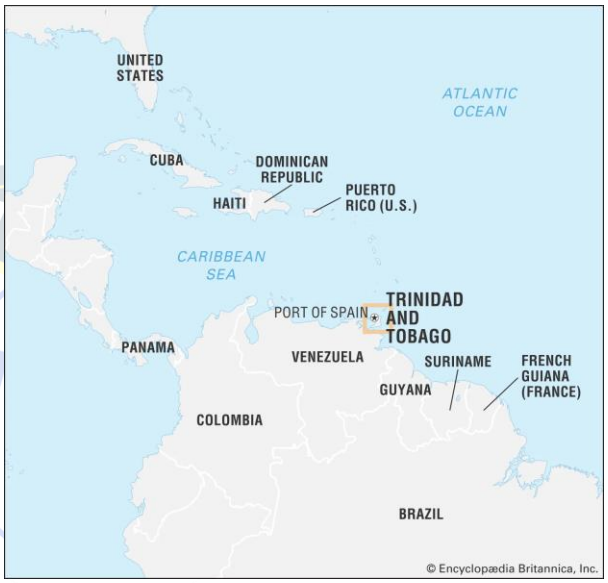

प्रवासी और सांस्कृतिक जुड़ाव

- **गिरमिटिया** वंश (प्रवासी जुड़ाव) का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय अभिलेखागार के बीच **अभिलेखीय सहयोग समझौता।**
- नेल्सन द्वीप (अनुबंधित भारतीयों के ऐतिहासिक आगमन स्थल) पर विरासत परियोजनाओं का शुभारंभ।
- **गिरमिटिया अध्ययन केंद्र** (अनुबंधित श्रम इतिहास पर शोध) स्थापित करने की योजना।
- OCI पात्रता (छठी पीढ़ी तक) विस्तार पर जोर।

क्षेत्रीय सहयोग विस्तार

- स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स, बुनियादी ढांचे, सुरक्षा, फोरेंसिक और डिजिटल परिवर्तन पर ध्यान।
- ग्लोबल साउथ मंचों और CARICOM जुड़ाव में सहयोग को मजबूत करना।

भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो संबंध

- **ऐतिहासिक जुड़ाव:** पहले भारतीय अनुबंधित मजदूर 1845 में जहाज "फतेह रजाक" (Fatel Razack) के जरिए पहुंचे (प्रवासी संबंध की शुरुआत)।
- अब भारतीय मूल की जनसंख्या त्रिनिदाद और टोबैगो की जनसंख्या का लगभग 40-45% है।

राजनयिक संबंध

- 1962 में औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित (स्वतंत्रता के बाद का जुड़ाव)।
- नियमित उच्च स्तरीय यात्राएं और बहुपक्षीय जुड़ाव (कैरिबियन समुदाय - CARICOM)।
- **आर्थिक संबंध:** व्यापार समझौता MFN (मोस्ट फेवर्ड नेशन) का दर्जा प्रदान करता है (1997)।
- **डिजिटल और प्रौद्योगिकी सहयोग:** UPI-आधारित भुगतान प्रणाली को अपनाना (कैरिबियन में पहला)।
- **सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंध:** महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान (MGICC) की उपस्थिति। योग, हिंदी प्रचार, ICCR कार्यक्रमों के माध्यम से मजबूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान।

गिरमिटिया के बारे में

- **अर्थ:** ब्रिटिश शासन के दौरान श्रम "समझौतों" (एग्रीमेंट से बना 'गिरमिट') के तहत ले जाए गए भारतीय अनुबंधित मजदूर।
- **अवधि:** दासता के उन्मूलन के बाद मुख्य रूप से 19वीं-शुरुआती 20वीं शताब्दी के दौरान प्रवास हुआ।
- **गंतव्य:** मॉरीशस, फिजी, दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिदाद और टोबैगो और गुयाना जैसी कॉलोनियों में भेजे गए।
- **भारत में मूल:** अधिकांश मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत से आए थे।
- **व्यवसाय:** मुख्य रूप से गन्ने के बागानों में कठोर परिस्थितियों में काम करते थे।
- **त्रिनिदाद कनेक्शन:** 1845-1917 के बीच लगभग 1,43,000 भारतीय त्रिनिदाद प्रवासित हुए।

सजातीय अभिवृद्धि (HOMOGENEOUS ACCRETION)

संदर्भ

नेचर एस्ट्रोनॉमी के एक अध्ययन से पता चलता है कि पृथ्वी मुख्य रूप से आंतरिक सौर मंडल की सामग्री से बनी है, जो **सजातीय अभिवृद्धि** का समर्थन करती है।

अध्ययन के निष्कर्ष

- **मुख्य निष्कर्ष:** पृथ्वी की आइसोटोपिक (समस्थानिक) संरचना गैर-कार्बनयुक्त पिंडों से निकटता से मेल खाती है।
    - गैर-कार्बनयुक्त पिंड चट्टानी आंतरिक सौर मंडल की सामग्रियां हैं जिनमें कम वाष्पशील तत्व होते हैं।
- **उपयोग की गई विधि:** शोधकर्ताओं ने बायेसियन लेटेंट फैक्टर एनालिसिस (उन्नत सांख्यिकीय विधि) का उपयोग करके उल्कापिंडों से 10 आइसोटोपिक फिंगरप्रिंट सिस्टम का विश्लेषण किया।
- **आइसोटोपिक फिंगरप्रिंट** चट्टानों और उल्कापिंडों में अद्वितीय आइसोटोप अनुपात होते हैं जिनका उपयोग ग्रहों की सामग्रियों की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए किया जाता है।
- **पिछली धारणाएं बनाम नए निष्कर्ष**

- पिछले अध्ययनों ने सुझाव दिया था कि पृथ्वी में 6-40% बाहरी सौर मंडल की सामग्री हो सकती है; नया अध्ययन केवल न्यूनतम योगदान का सुझाव देता है।
- पिछले सिद्धांतों ने मिश्रित जलाशयों का समर्थन किया था; नया अध्ययन एक समान आंतरिक सौर मंडल जलाशय का सुझाव देता है—एक प्रक्रिया जिसे **सजातीय अभिवृद्धि** कहा जाता है।

- **अन्य ग्रहों के लिए भविष्यवाणी:** बुध और शुक्र संभवतः इसी तरह की प्रक्रियाओं के माध्यम से बने हैं।

भारत-दक्षिण कोरिया रक्षा सहयोग

संदर्भ

भारत और दक्षिण कोरिया ने 2026 के द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान **कोरिया-इंडिया डिफेंस एक्सेलेरेटर (KIND-X)** के शुभारंभ की घोषणा की।

KIND-X (कोरिया-भारत रक्षा त्वरक) के बारे में

- **उद्देश्य:** दोनों देशों के स्टार्टअप, उद्योगों, निवेशकों, विश्वविद्यालयों और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने वाले "रक्षा नवाचार सेतु" (defence innovation bridge) के रूप में कार्य करता है।

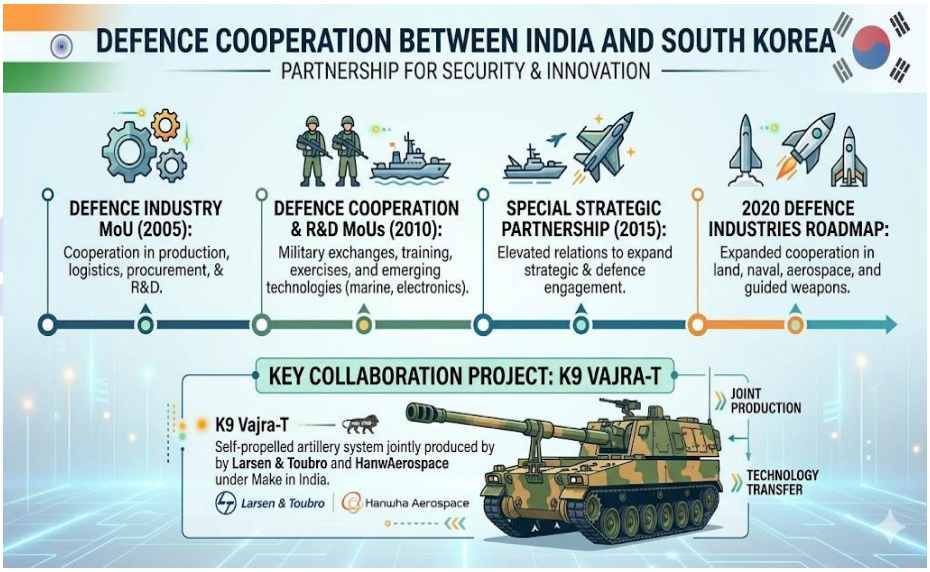

- **अपेक्षित नेतृत्व:** संभवतः दक्षिण कोरिया के DAPA और भारत के रक्षा नवाचार संगठन (DIO) द्वारा नेतृत्व किया जाएगा।
- **लक्ष्य:** उभरती प्रौद्योगिकियों में रक्षा नवाचार, सह-विकास, सह-उत्पादन और संयुक्त अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।
- **संभावित क्षेत्र:** एआई-सक्षम सैन्य प्रणालियाँ, स्वायत्त हथियार, रोबोटिक्स, उपग्रह, ISR प्रणालियाँ, रक्षा अर्धचालक (semiconductors) और महत्वपूर्ण खनिज।
- **औद्योगिक जुड़ाव:** दक्षिण कोरियाई नवाचार केंद्रों (चांगवोन, डेजॉन, गुमी) को भारतीय रक्षा गलियारों (तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, बेंगलुरु, हैदराबाद) के साथ जोड़ता है।
- **रणनीतिक महत्व:** भारत के 'डिफेंस विजन 2047' और दक्षिण कोरिया की 'डिफेंस इनोवेशन 4.0' रणनीति का समर्थन करता है।

भारत की समान रक्षा नवाचार पहल

पहल	भागीदार देश	उद्देश्य
INDUS-X	संयुक्त राज्य अमेरिका	स्टार्टअप, AI, ISR और सह-विकास के लिए भारत-अमेरिका रक्षा नवाचार सेतु
FRIND-X	फ्रांस	भारत-फ्रांस रक्षा स्टार्टअप और नवाचार सहयोग मंच

समाचार में स्थान: कैनरी द्वीप समूह (स्पेन)

संदर्भ

स्पेन ने टेनेरिफ़ के पास हंतावायरस प्रभावित क्रूज जहाज के यात्रियों के लिए निकासी और संगरोध (quarantine) संचालन का समन्वय किया।

कैनरी द्वीप समूह के बारे में

- **स्थान:** स्पेन का एक स्वायत्त द्वीप समूह जो अटलांटिक महासागर में, मोरक्को के पास अफ्रीका के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित है।
- **राजनीतिक स्थिति:** स्पेन का एक स्वायत्त समुदाय जिसके दो प्रांतीय राजधानी हैं — **सांता क्रूज़ डी टेनेरिफ़** और **लास पाल्मास डी ग्रैन कैनरिया**।

- **प्रमुख द्वीप:** मुख्य द्वीपों में टेनेरिफ़, ग्रैन कैनरिया, लैंजारोट, फुएर्टेवेंटुरा, ला पाल्मा, ला गोमेरा और एल हिरो शामिल हैं।
- **टेनेरिफ़:** द्वीप समूह का सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला द्वीप; निकासी अभियान के दौरान उपयोग किए गए ग्रैनाडिला डी एबोना बंदरगाह का स्थान।
- **भौगोलिक विशेषताएं:** हॉटस्पॉट ज्वालामुखी गतिविधि के कारण बने ज्वालामुखीय द्वीप; ऊबड़-खाबड़ इलाके और ज्वालामुखीय चोटियों का प्रभुत्व।

- **उच्चतम चोटी:** टेनेरिफ़ पर स्थित **माउंट तेइदे** (Mount Teide), जो स्पेन की सबसे ऊंची चोटी और दुनिया की सबसे बड़ी ज्वालामुखीय संरचनाओं में से एक है।

मुख्य परीक्षा

त्रिशंकु विधानसभा में राज्यपाल की भूमिका

संदर्भ

2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में TVK के सबसे बड़े एकल दल के रूप में उभरने के बाद, राज्यपाल ने सी. जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने से पहले 118 विधायकों से पत्र मांगे।

त्रिशंकु विधानसभा का परिचय

त्रिशंकु विधानसभा के बारे में:

- **त्रिशंकु विधानसभा तब उत्पन्न होती है जब चुनाव के बाद किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन को विधानसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है।**
- ऐसी स्थितियों में, राज्यपाल लोकतांत्रिक और संवैधानिक सिद्धांतों को संरक्षित करते हुए एक स्थिर सरकार के गठन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण संवैधानिक भूमिका निभाता है।

ऐसी परिस्थितियों में:

- सरकार का गठन अनिश्चित हो जाता है।
- गठबंधन निर्माण और निर्दलीयों का समर्थन महत्वपूर्ण हो जाता है।
- राज्यपाल को यह तय करना होगा कि सरकार बनाने के लिए किसे आमंत्रित किया जाए।

सरकार गठन की संभावनाएं तलाशना

- **राजनीतिक दलों के साथ परामर्श:** त्रिशंकु विधानसभा में, राज्यपाल राजनीतिक दलों के साथ परामर्श कर सकते हैं, गठबंधनों के संबंध में जानकारी मांग सकते हैं और यह पहचानने के लिए निर्दलीय विधायकों के समर्थन का सत्यापन कर सकते हैं कि क्या एक स्थिर बहुमत वाली सरकार बनाई जा सकती है।
- **बहुमत निर्माण के लिए उचित समय:** राज्यपाल दलों को गठबंधन बनाने और विधायी समर्थन प्रदर्शित करने के लिए कुछ समय दे सकते हैं।
    - हालाँकि, राज्यपाल अनिश्चित काल तक देरी नहीं कर सकते क्योंकि लंबे समय तक बनी अनिश्चितता राजनीतिक दल-बदल, खरीद-फरोख्त (horse-trading) और अस्थिरता को बढ़ावा दे सकती है।
- **विधानसभा भंग करने की शक्ति:** अनुच्छेद 174(2)(b) के तहत, यदि कोई स्थिर सरकार नहीं बनाई जा सकती है, तो राज्यपाल विधानसभा भंग करने की सिफारिश कर सकते हैं।
    - सर्वोच्च न्यायालय ने **बी. आर. कपूर मामले** और **रामेश्वर प्रसाद मामले** में इस संवैधानिक शक्ति को मान्यता दी है।
- **राष्ट्रपति शासन की सिफारिश:** यदि सरकार गठन की सभी संभावनाएं विफल हो जाती हैं, तो राज्यपाल अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकते हैं, लेकिन इसे एक अपवाद स्वरूप उपाय के रूप में माना जाता है।

- **सरकार गठन में वरीयता का क्रम:**
    - **प्रथम वरीयता:** सरकारिया आयोग ने सिफारिश की थी कि अधिक राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने के लिए उस चुनाव-पूर्व गठबंधन (pre-election alliance) को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिसे बहुमत का समर्थन प्राप्त हो।
    - **द्वितीय वरीयता:** यदि किसी गठबंधन के पास बहुमत नहीं है, तो राज्यपाल उस सबसे बड़े एकल दल को आमंत्रित कर सकते हैं जो गठबंधनों, समर्थन पत्रों और निर्दलीयों के समर्थन के माध्यम से बहुमत प्रदर्शित करता है।
    - **तृतीय वरीयता: चुनाव-पश्चात गठबंधन:** यदि न तो चुनाव-पूर्व गठबंधन और न ही सबसे बड़े दल को बहुमत का समर्थन प्राप्त होता है, तो राज्यपाल चुनाव-पश्चात गठबंधनों (post-election coalitions) पर विचार कर सकते हैं।

राज्यपाल के विवेक के संबंध में बढ़ती चिंताएं

- **सरकार गठन के लिए दलों को आमंत्रित करने में देरी:** राज्यपालों पर कभी-कभी बहुमत के समर्थन के स्पष्ट दावों के बावजूद राजनीतिक दलों को आमंत्रित करने में अनावश्यक देरी करने का आरोप लगाया जाता है, जिससे राजनीतिक अनिश्चितता पैदा होती है।
    - उदाहरण: 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में, राज्यपाल ने सबसे बड़े एकल दल के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने से पहले समर्थन के भौतिक पत्र मांगे।
- **राजनीतिक पक्षपात के आरोप:** आलोचकों का तर्क है कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करते समय राज्यपाल केंद्र में सत्तारूढ़ दल का पक्ष ले सकते हैं।
- **राष्ट्रपति शासन की सिफारिश का दुरुपयोग:** चिंताएं तब उत्पन्न होती हैं जब राज्यपाल सरकार गठन की संभावनाओं को पूरी तरह से तलाशे बिना राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर देते हैं।
    - उदाहरण: **रामेश्वर प्रसाद मामले (बिहार, 2005)** में, सर्वोच्च न्यायालय ने विधानसभा के समयपूर्व विघटन की आलोचना की थी।
- **शक्ति परीक्षण (Floor Test) आयोजित करने में देरी:** शक्ति परीक्षण को स्थगित करने से दल-बदल, खरीद-फरोख्त और राजनीतिक हेरफेर के अवसर पैदा हो सकते हैं।
    - उदाहरण: कर्नाटक संकट (2018) में, सर्वोच्च न्यायालय ने शक्ति परीक्षण के समय को 15 दिन से घटाकर 24 घंटे कर दिया था।
- **संवैधानिक सीमाओं से परे विवेकाधिकार का विस्तार:** विधायी परीक्षण के बजाय व्यक्तिगत संतुष्टि पर अत्यधिक निर्भरता लोकतांत्रिक सिद्धांतों और संघवाद को कमजोर कर सकती है।
    - उदाहरण: सर्वोच्च न्यायालय ने **एस. आर. बोम्मई मामले** में इस बात पर जोर दिया था कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के पटल (floor) पर होना चाहिए, न कि केवल राज्यपाल द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए।

आगे की राह

- **स्पष्ट दिशानिर्देशों का संहिताकरण:** भारत को त्रिशंकु विधानसभा की स्थितियों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी ढांचे और समान प्रक्रियाओं पर विचार करना चाहिए।
- **समयबद्ध शक्ति परीक्षण सुनिश्चित करना:** अस्थिरता को रोकने और विवेकाधिकार के दुरुपयोग को कम करने के लिए शक्ति परीक्षण शीघ्र आयोजित किए जाने चाहिए।
- **संवैधानिक तटस्थता को सुदृढ़ करना:** राज्यपालों को राजनीतिक अभिकर्ताओं के बजाय कड़ाई से संवैधानिक प्रमुखों और निष्पक्ष मध्यस्थों के रूप में कार्य करना चाहिए।
- **मनमानी देरी की गुंजाइश कम करना:** सर्वोच्च न्यायालय का विधिशास्त्र (jurisprudence) तेजी से बहुमत के तत्काल विधायी परीक्षण और सीमित व्यक्तिपरक विवेकाधिकार का समर्थन करता है।